UDBODHAN

An Exhibition on Indian Knowledge System (IKS)

Organized by

Birla Institute of Technology, Mesra, Ranchi

[With G-20 & IKS Cell under Ministry of Education, at AICTE, New Delhi]

13th to 15th April 2023

Aim of the Exhibition

To make the young minds aware of the scientific rigor and heritage of ancient India, which may excite them to boost their level of participation in Learning, Research and Development, Innovation, Entrepreneurship, and Creation of new knowledge, which may greatly contribute to their own development as well as the Nation building. This exhibition also aims to give us an exposure to the Indian Knowledge System with sufficient depth, which may inspire us to strive for excellence in our own respective fields.

Thematic Areas

1.	Ancient Treaties	Ved, Vedic Life, Vedic Darshan, Non-Vedic Darshan.
2.	Wisdom Through the Ages	Puran, Ramayan, Mahabharat (Gita)
3.	Science, Engineering & Technology in IKS	Vedic Maths, Great Mathematicians, Time, Distance and Weight, Metal and Metal Working
4.	Various Art Forms	Sculpture, Mehndi, Rangoli, Pottery, Batik, Kohbar, Bhandhani, Seals etc.
5.	Linguistic	Sanskrit (Grammar, Phonetics, Vocabulary), Sanskrit Sambhashan Shivir, Various Indian Languages.
6.	Astronomy	Elements of Indian Calendar, Panchang.
7.	Architecture & Town Planning	Vaastu Shastra, Temple Architecture, Town Planning.
8.	Health Wellness & Psychology	Yog, Ayurveda, Pak Shastra, Tri-gun System, Panchkosh.
9.	Governance & Public Admin.	KautilayNiti, ViduraNiti, Perspectives from the Epics.
10.	Interactive Sessions	Panchtantra, Paheli, Indian Attire Exhibition, Theatre Play etc.
11.	Jharkhand	Art & Culture, Environment, Languages.

Program Schedule

Date	Time	Venue	Activities
13.04.2023	03.30 pm-05.00 pm	CAT	Inaugural Function
	05.00 pm-06.30 pm	Ishan Vatika	Inauguration of Exhibition & High Tea
	06.30 pm-08.30 pm	CAT	Cultural Program (Based on IKS theme)
14.04.2023	09.00 am-10.50 am	CAT	Sanskrit Sambhashan Shivir by Dr. Sunil Kumar Kashyap, Principal, UMV, Ramgarh.
	10.50 am-11.40 am		Expert talk on "Awakening Youth Towards India" by Mr. Mrinal Pathak, BIT Mesra.
	11.40 am-11.50 am		Tea Break
	11.50 am-01.00 pm		Documentaries on the theme of IKS.
	01.00 pm-02.00 pm		Lunch Break
	02.00 pm-07.00 pm	Ishan Vatika	Exhibition & Quiz Competition on IKS
15.04.2023	09.00 am-10.00 am	CAT	Sanskrit Sambhashan Shivir by Dr. Sunil Kumar Kashyap, Principal, UMV, Ramgarh.
	10.00 am-10.50 am		Expert talk by Dr. Anuradha Choudry, Coordinator (Outreach), IKS, AICTE
	10.50 am-11.40 am		Expert talk by Dr. Dhananjay Vasudeo Dwivedi, DSPMU, Ranchi.
	11.40 am-11.50 am		Tea Break
	11.50 am-12.30 pm		An open house Table Talk by Experts on Linguistics
	12.30 pm-01.00 pm		Documentaries on the theme of IKS.
	01.00 pm		Lunch Break
	04.00 pm-07.00 pm	Ishan Vatika	Exhibition & Quiz Competition on IKS
	07.00 pm		Prize distribution and Valedictory

Day 1 (13th April 2023)

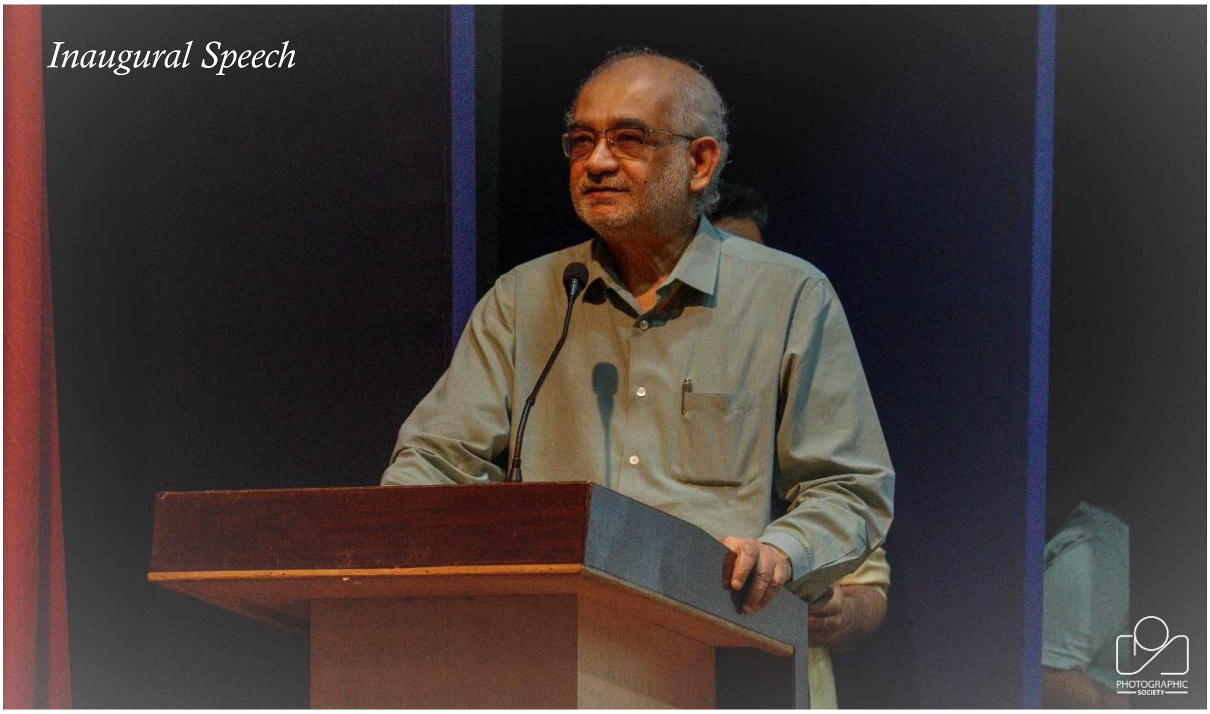

Inaugural Speech

CAT

Inauguration of The Exhibition
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Visiting the Exhibition
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Health Wellness
& Psychology

Health Wellness
& Psychology

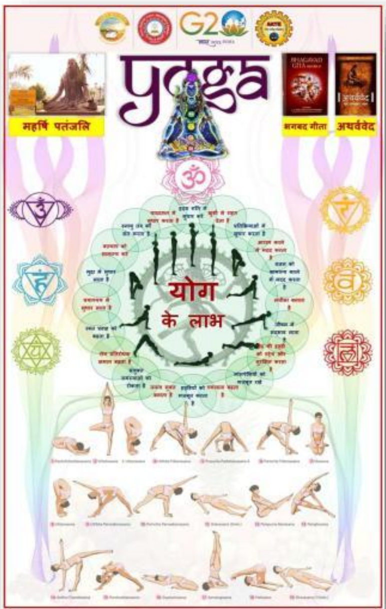

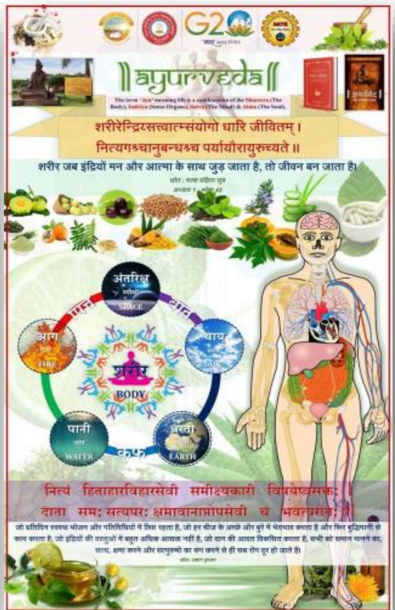

Health Wellness & Psychology Posters

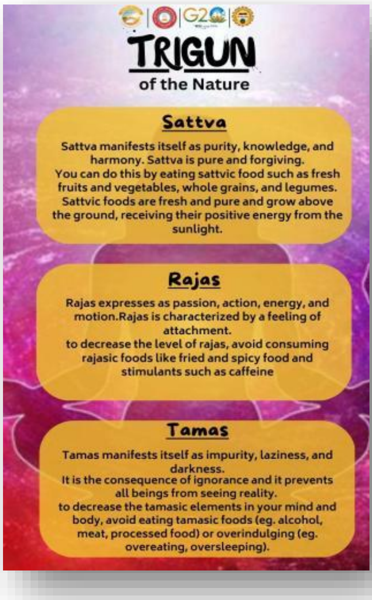

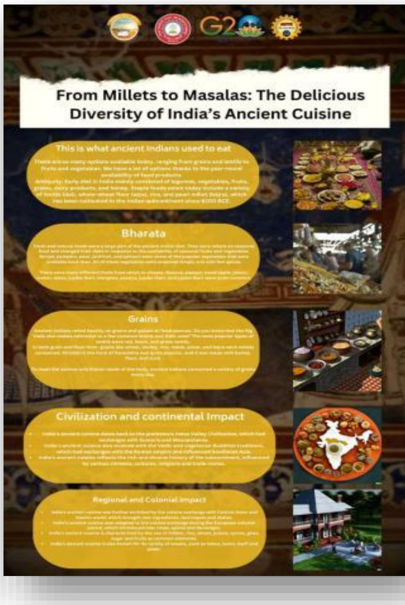

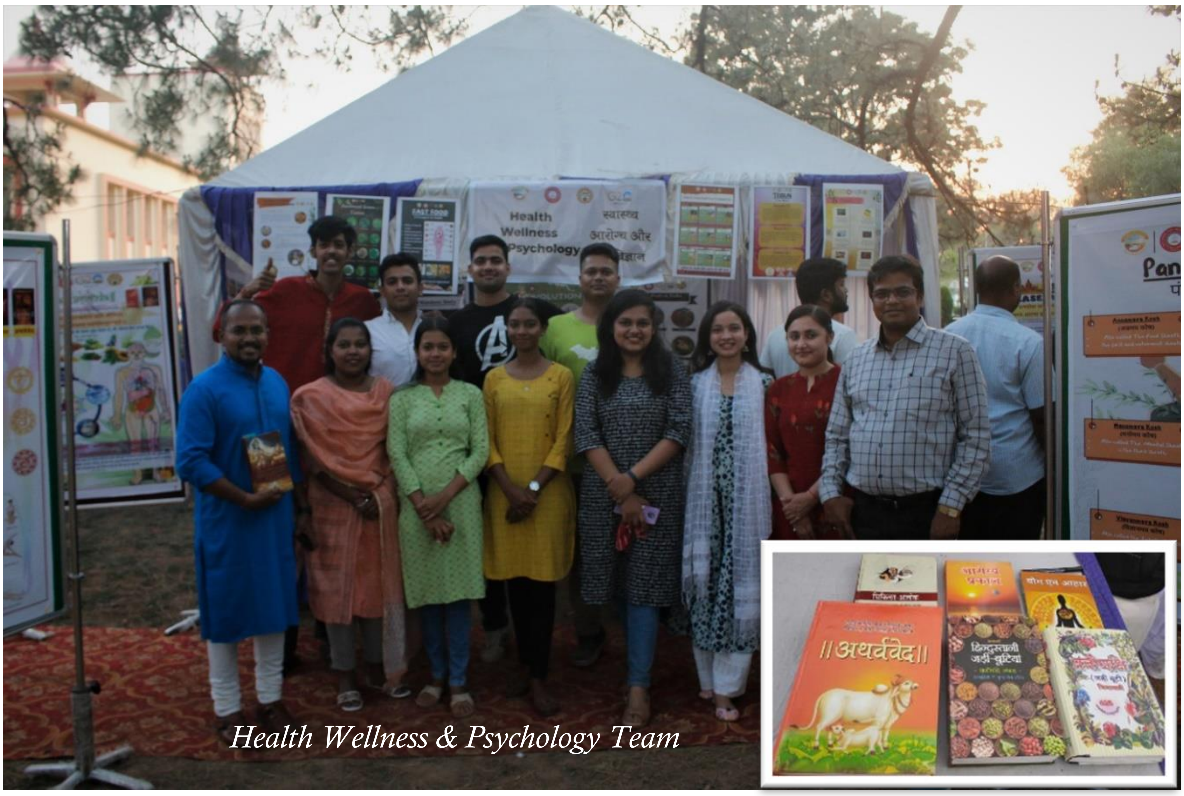

Health Wellness & Psychology Team

Architecture & Town Planning Team

Near Science, Engineering & Technology Stall

&
Public Administration
और
लोक प्रशासन

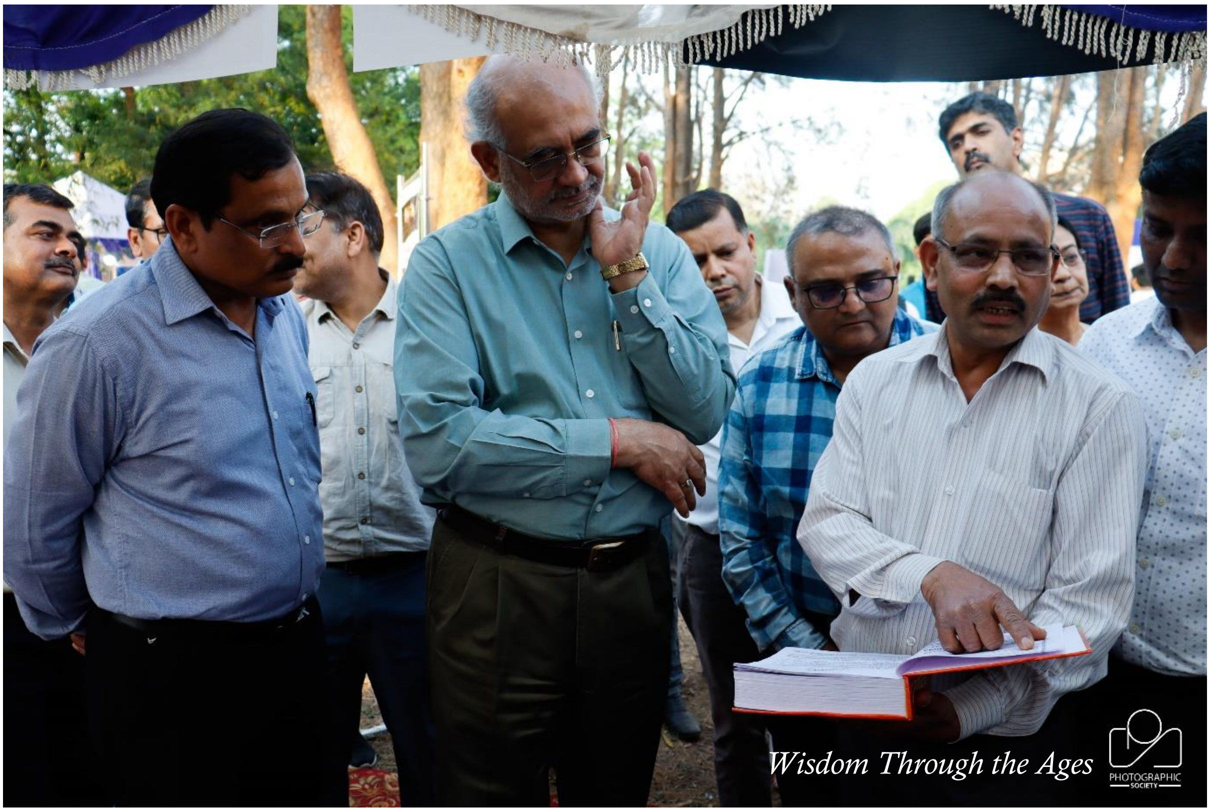
Wisdom Through the Ages
PHOTOGRAPHIC

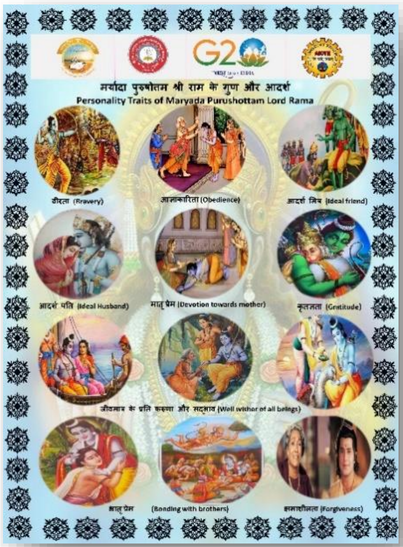

Wisdom Through the Ages Posters

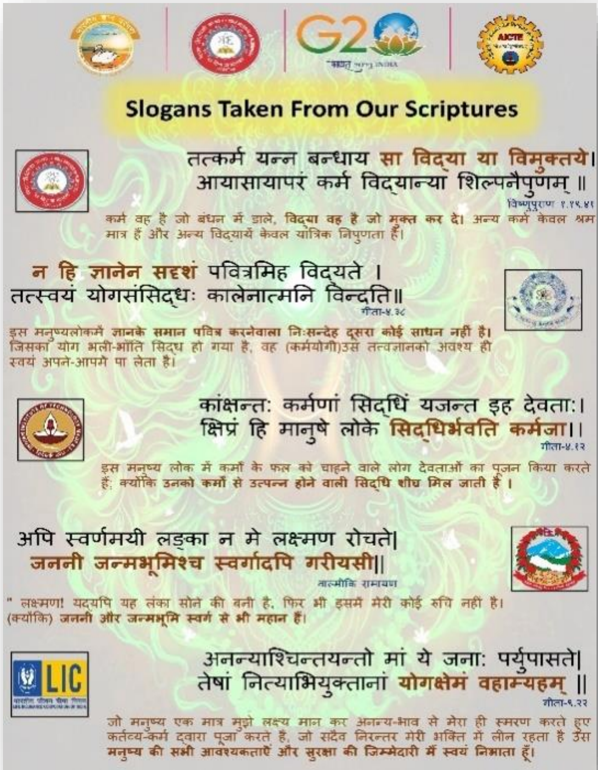

Ancient Treaties
G20
VEDAS
RIGVEDA
YAJURVEDA
SAMVEDA
ATHARVAVEDA
ADI SHANKARACHARYA
SAGE:GAUTAMA
SAGE:KANADA
SAGE: JAMINI
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Ancient Treaties
G20
Slogans Taken From Our Scriptures
LIC
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

At Jharkhand Stall

Jharkhand Art & Culture : Team of Students

Cultural Evening
(Based on IKS Theme)

Cultural Evening
(Based on IKS Theme)

Cultural Evening
(Based on IKS Theme)
Thank you
for your presence in
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Cultural Evening
(Based on IKS Theme)

Felicitations to the Artists

Felicitations to the Artists

Felicitations to the
Artists
BIT Mesra, Ranchi
बी. आई. टी. मेसरा, रांची
In association with G-20, AICTE & IKS
Freeze
G20
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Felicitations to the
Artists
BIT Mesra, Ranchi
बी. आई. टी. मेसरा, रांची
In association with G-20, AICTE & IKS
(जी-20), (ए. आई. सी. टी. ई.) व (आई. के. एस.) के साथ
Thank you
presence in
Freeze
G20
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Day 2 (14th April 2023)

Sanskrit Sambhashan

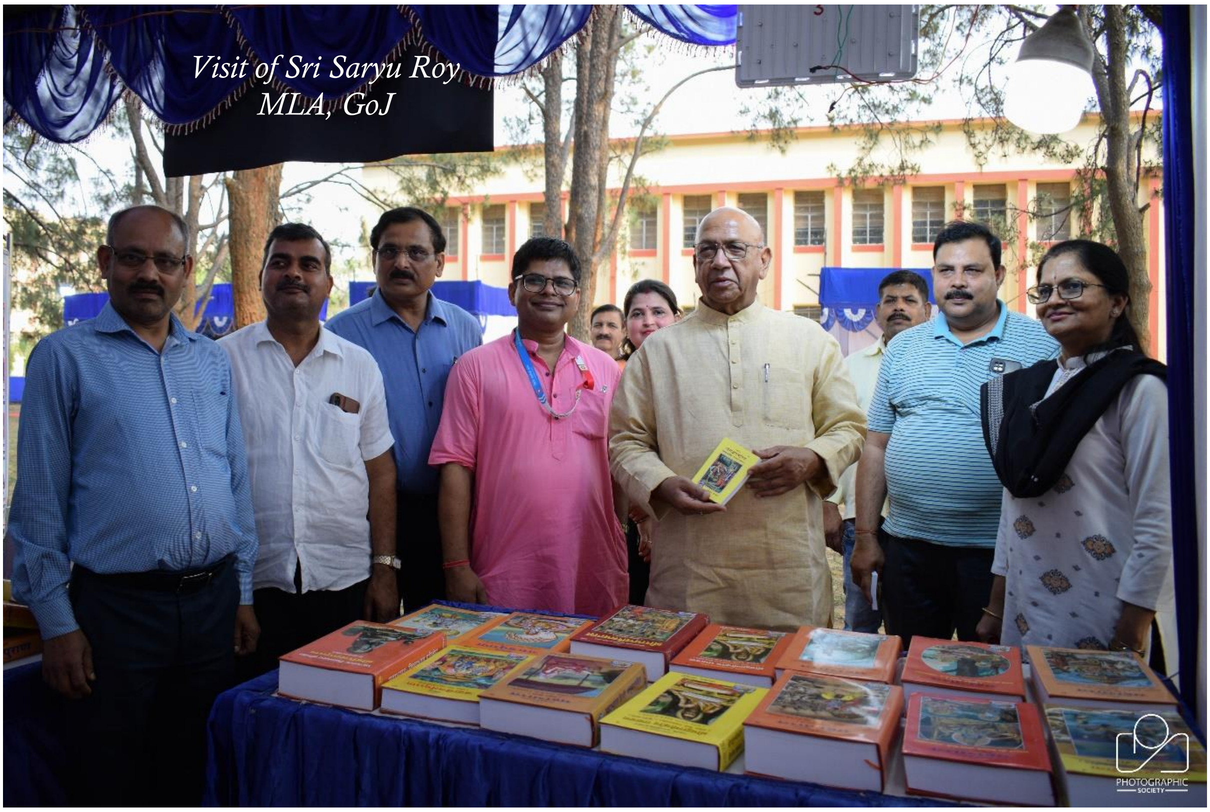

Visit of Sri Saryu Roy MLA, GoJ

Cultural Performance
Kislaya Vidya Mandir Children

Cultural Performance
Kislaya Vidya Mandir Children

After Cultural Performance

Theatre Play
PHOTOGRAPHIC

Theatre Play
Krishna Sudama Milan

After the Theatre Play

After the Theatre Play

After the Theatre
Play

Day 3 (15th April 2023)

Wisdom Through
the Ages
PHOTOGRAPHIC
SOCIETY

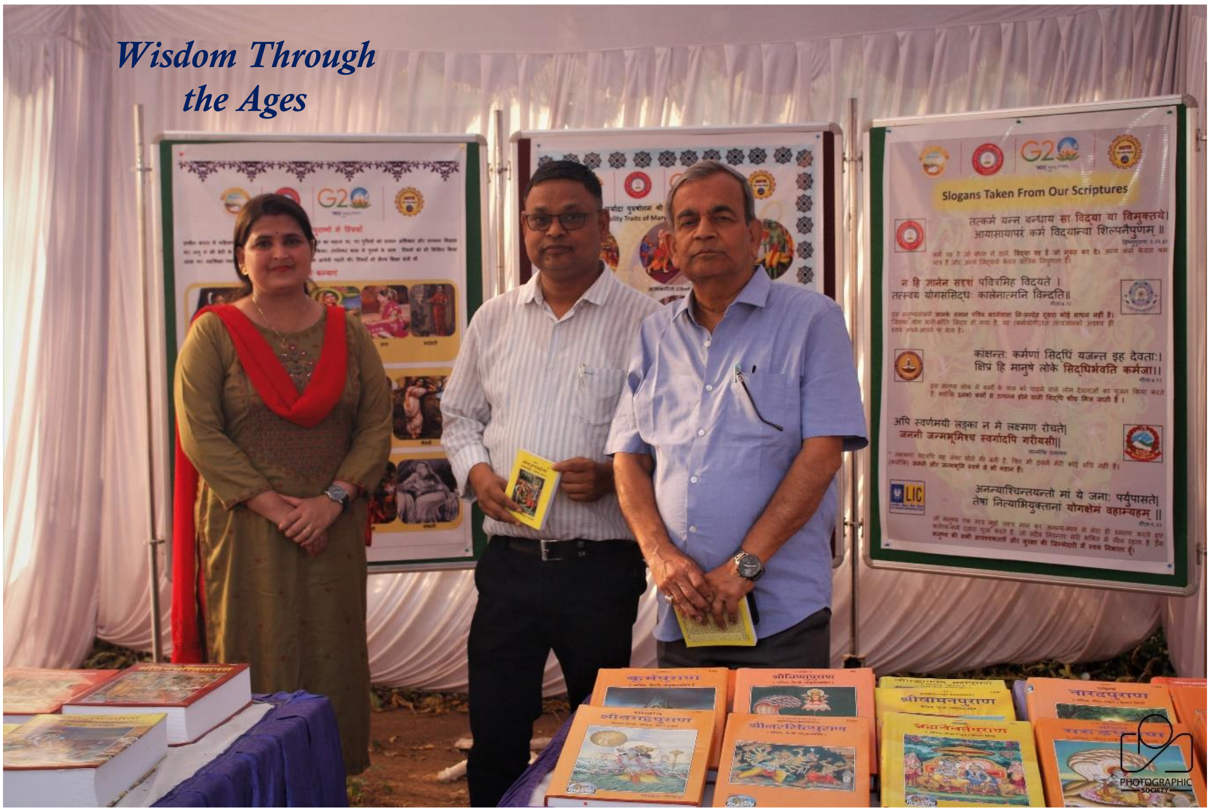
Wisdom Through
the Ages
Slogans Taken From Our Scriptures
LIC
PHOTOGRAPHIC
SOCIETY

ychology
मनोविज्ञान
FOOD EVOLUT
Famous Foods of India
Rajas
Tamas
दुनिया का सबसे महँगा खाना भी नहीं भाता
है जब घर का खाना याद आता है
Health Wellness & Psychology
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Health Wellness
& Psychology
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Health Wellness
& Psychology
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Health Wellness
& Psychology
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

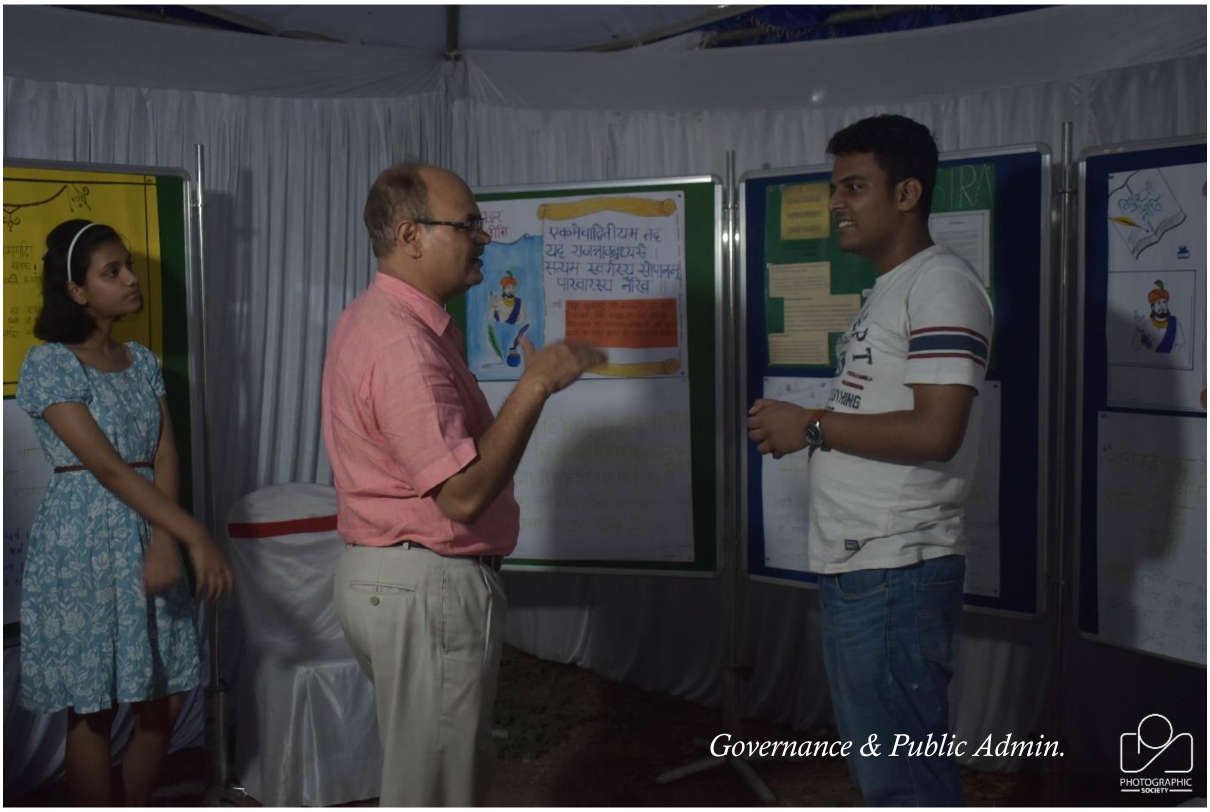
Governance & Public Admin.
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Governance & Public Admin.
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Technology
प्रौद्योगिकी
Science, Engineering
& Technology
in IKS
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Ancient Treaties
YAJURVEDA
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Quiz Competition
on IKS

Seeking Visitor's Opinion

Prize Distribution
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Prize Distribution
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Prize Distribution
PHOTOGRAPHIC
SOCIETY

Prize Distribution
Celebrations
PHOTOGRAPHIC
SOCIETY

Towards the End
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

Closing Moments of IKS
Exhibition
PHOTOGRAPHIC SOCIETY

MEDIA REPORT

बीआईटी मेसरा में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर प्रदर्शनी शुरू

रांची, वरीय संवाददाता। बीआईटी मेसरा में जी-20, एआईसीटीई और आईकेएस की ओर से भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय प्रदर्शनी की शुरुआत गुरुवार को हुई। प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो इंद्रनील मन्ना ने किया। इसमें विभिन्न विचारों और सूचनाओं से संबंधित स्टॉल हैं।

थीम भारतीय ज्ञान और राष्ट्र की सांस्कृतिक प्रणाली पर केंद्रित है। इसमें आर्किटेक्चर और टाउन प्लानिंग, भाषा विज्ञान, साहित्य सत्र, झारखंड राज्य, वर्नाक्यूलर आर्ट फॉर्म्स, साइंस, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य कल्याण और मनोविज्ञान, खगोल विज्ञान, प्राचीन संधियों, ज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित प्रदर्शनी है। आर्किटेक्चर एंड टाउन प्लानिंग के स्टॉल का नेतृत्व गुरुवार को रोहित और उनके दल ने किया। उनके विचार उस वास्तुकला पर केंद्रित थे जो प्राचीन भारत में प्रचलित थी। झारखंड के स्टॉल का नेतृत्व सौरव कुमार और उनके दल ने किया, जिनके कार्यों ने एक सामान्य घराने की सांस्कृतिक, इतिहास, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, कला व विधियों को प्रदर्शित किया। शाम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। पहला कार्यक्रम बांसुरी वादन का था। इसके बाद पंडित शैलेंद्र कुमार पाठक ने ध्रुपद गायन प्रस्तुत किया।

प्रदर्शनी में प्राचीन वास्तुकला को किया जीवंत

रांची, प्रमुख संवाददाता। बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आयोजित तीन दिवसीय प्रदर्शनी- उद्बोधन के दूसरे दिन शुक्रवार को विभिन्न स्टॉलों में प्राचीन भारतीय इतिहास, वास्तुकला और भाषा विज्ञान की झलक दिखाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक सरयू राय मौजूद थे। आयोजन स्थल पर आर्किटेक्चर और नगर योजना, भाषा विज्ञान, साहित्य सत्र, झारखंड राज्य, वर्नाक्यूलर आर्ट फॉर्म्स, साइंस, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य कल्याण और मनोविज्ञान, खगोल विज्ञान, प्राचीन संधियों, ज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित, स्टॉल लोगों को आकर्षित कर रहे थे। झारखंड के स्टॉल का नेतृत्व सौरव कुमार और उनके दल ने किया। उन्होंने इतिहास, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और कला को प्रदर्शित किया।

बीआईटी लिटसोक की ओर से शास्त्रार्थ के आधार पर स्किट प्रस्तुत किया गया था, जिसमें आष्टावक्र और आचार्य बांडी के बीच एक बौद्धिक युद्ध का दृश्य था। स्किट में प्रियांशु, ऋचा, आदित्य, आयुष और सुमित ने अभिनय किया था। किसलय विद्या मंदिर, मेसरा के छात्रों ने-चाणक्य की चतुराई, पर एक स्किट की प्रस्तुति दी। एक स्किट बीआईटी के छात्रों ने-कृष्ण सुदामा मिलन पर प्रस्तुत किया।

मौके पर कुलपति डॉ इंद्रनील मन्ना, छात्र मामलों के डीन डॉ भास्कर कर्ण, प्रदर्शनी अध्यक्ष डॉ संजय कुमार और अन्य शिक्षकगण मौजूद थे।

बीआईटी मेसरा में दो दिवसीय संस्कृत संभाषण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

6 days ago प्रदेश

Listen to this

रांची। आज 14 अप्रैल को बीआईटी मेसरा बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी परिसर में दो दिवसीय संस्कृत संभाषण एवं प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई । इस शिविर में प्रोफेसर और छात्र काफी संख्या में उपस्थित हुए और संस्कृत की वैज्ञानिक पद्धति के रूप से प्रशिक्षक डॉ सुनील कुमार कश्यप ने काफी रोचक एवं आकर्षक ढंग से अवगत कराया । सारा प्रशिक्षण का कार्य व्यवहारिक एवं सरल एवं सहज ढंग से देने का कार्य किया डॉक्टर कश्यप इस तरह का प्रशिक्षण 1996 से विद्यालय महाविद्यालय विश्वविद्यालयों में देने का काम करते आ रहे हैं और संस्कृत के प्रति लोगों का ध्यान आकृष्ट कराने का काम करते रहे हैं इनका लक्ष्य है संस्कृत भाषा एक बार पुनः पुनर्जीवित होकर जन सामान्य की भाषा हो , और भारत पुनः विश्व गुरु बने वह माध्यम संस्कृत ही हो सकता है इसलिए आप सभी संस्कृत की की धरोहर को बचाए और बनाए रखने के लिए संस्कृत अवश्य पढ़ें और लोगों को प्रेरित करें अध्यक्षता डॉ संजय कुमार के देखरेख में संपन्न हो रहा है इस प्रशिक्षण में काफी संख्या में प्रोफेसर शिक्षक और छात्रों की रुचि बढ़ रही है और आने वाले दिन में अधिक दिनों का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने का आग्रह किया जा रहा है प्रशिक्षण में भाग ले रहे अध्यक्षता करते हुए डॉक्टर संजय कुमार ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में जो पुरानी शिक्षा व्यवस्था और विधाएं थी विलुप्त होते जा रही है पुनः उसको पुनर्जीवित करना और लोगों के मन में उसके प्रति उत्साह को बढ़ाना जागृत करना है इसी क्रम में बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी में ने कुछ कदम उठाए हैं जिसके तहत भारतीय ज्ञान परंपरा को हमारे भारतीय संस्कृति हमारे भारतीय ग्रंथों में छिपी हुई है उन को पुनर्जीवित करना उन को जन जन तक जन सामान्य तक पहुंचाना इसका मुख्य उद्देश्य इसमें कुछ प्रोफेसर ने अपनी राय दी हैं उनमें डॉक्टर गौतम शांडिल्य ने कहा कि संस्कृत अगर जनमानस तक पहुंचाना है तो उसके प्रति रुचि रूचि बढ़ाना होगा डॉ अंजना दुबे कहां संस्कृत की जो सिखाने की पद्धति है यह वैज्ञानिक सचमुच ही आकर्षक और प्रशंसनीय है इस तरह से आसानी से लोग संस्कृत की ओर अग्रसर होंगे डॉक्टर प्रशांत प्रशिक्षण देने का काम संस्कृत को संस्कृत के माध्यम से सिखा रहे हैं निश्चित रूप से यह अनुकरणीय है और इसके प्रति लोग आकर्षित होते हैं और यह प्रशिक्षण देने की कला बहुत ही सुंदर है डॉक्टर प्रवीण श्रीवास्तव जनमानस तक पहुंचाने के लिए इसके प्रचार-प्रसार की जरूरत है डॉक्टर मृणाल पाठक ने कहा कि किसी भी भाषा को सीखने के लिए उसे बचपन से सीखने की जरूरत नहीं है आप कभी भी सीख सकते हैं अ

बीआईटी मेसरा में दो दिवसीय संस्कृत संभाषण और प्रशिक्षण शिविर शुरू

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर में 14 अप्रैल को दो दिवसीय संस्कृत संभाषण एवं प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में प्राध्यापक और छात्र काफी संख्या में उपस्थित हुए। वहीं, संस्कृत की वैज्ञानिक पद्धति से जानकारी देते हुए प्रशिक्षक डॉ सुनील कुमार कश्यप ने काफी रोचक एवं आकर्षक ढंग से सभी को अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षण का कार्य व्यवहारिक एवं सरल एवं सहज ढंग से देने का कार्य किया। डॉ कश्यप ने कहा कि वे इस तरह का प्रशिक्षण 1996 से ही विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों में देने का काम करते आ रहे हैं और संस्कृत के

प्रति लोगों का ध्यान आकृष्ट कराने का काम करते रहे हैं। कहा मेरा लक्ष्य है संस्कृत भाषा एक बार पुनः पुनर्जीवित होकर जन सामान्य की भाषा बने और भारत पुनः विश्व गुरु बने। कहा कि इसमें संस्कृत ही सहायक हो सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ संजय कुमार ने की। डॉ गौतम शांडिल्य ने कहा कि संस्कृत अगर जनमानस तक पहुंचाना है तो उसके प्रति रूचि बढ़ाना होगा। डॉ अंजना दुबे कहा संस्कृत की जो सिखाने की पद्धति है यह वैज्ञानिक सचमुच ही आकर्षक और प्रशंसनीय है । डॉ प्रशांत प्रशिक्षण देने का काम संस्कृत को संस्कृत के माध्यम से सिखा रहे हैं।

संस्कृत बोलना शरीर के लिए स्फूर्तिदायक

बीआइटी मेसरा में जी-20, एआईसीटीई और आईकेएस के सहयोग से भारतीय ज्ञान प्रणाली पर प्रदर्शनी

जासं, रांची : बीआइटी मेसरा में जी-20, एआईसीटीई और आईकेएस के सहयोग से भारतीय ज्ञान प्रणाली पर संस्थान के कुलपति प्रो इंद्रनील मन्ना, छात्र मामलों के डीन डा भास्कर कर्ण एवं आईकेएस प्रदर्शनी के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में उद्बोधन-23 प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

यह प्रदर्शनी 13 अप्रैल से लगातार तीन दिनों तक जारी रही। दिन की शुरुआत यूएमवी रामगढ़ के प्राचार्य डा सुनील कुमार कश्यप द्वारा संस्कृत संभाषण शिविर के सत्र से हुई। जिसके बाद कुलपति ने उन्हें सम्मानित किया। वहीं एआईसीटीई की भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रमुख डा अनुराधा चौधरी ने मंच संभाला। प्रदर्शनी के अध्यक्ष डा संजय कुमार ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने तंजावुर में बृहदेश्वर मंदिर सहित समृद्ध भारतीय वास्तुकला पर चर्चा की। बताया गया कि मंदिर के शीर्ष पर 80 टन का पत्थर रखा गया है और आश्चर्यजनक रूप से 5 भूकंपों से बच गया है जो पुराने समय की विशाल इंजीनियरिंग को दर्शाता है। बताया कि कैसे हिंदी वर्णमाला का पाठ करना और संस्कृत बोलना हमारे शरीर में स्फूर्तिदायक आवृत्ति कंपन और शब्दों के निर्माण की गहराई को उत्तेजित करता है।

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित, शिक्षक, शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं • जागरण

खुफिया तंत्र को कराया अनुभव : डा अनुराधा चौधरी एक कविता के माध्यम से साहित्य और गणित के संगम को प्रदर्शित करते हुए अपने भाषण का समापन किया। जिसने दर्शकों को प्राचीन भारतीय समाज के महान खुफिया तंत्र का अनुभव कराया। डा धनंजय द्विवेदी ने वेदों और उपनिषदों के बारे में बताया और अपने गहन और प्रभावशाली श्लोक पाठों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डा संजय कुमार ने उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने वनों एवं भूमि के संरक्षण पर भी ध्यान केंद्रित किया और जैविक तेलों के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने यथासंभव प्रकृति के करीब रहने की आवश्यकता पर बल दिया। क्योंकि यह हमें अपने पूर्वजों से विरासत में मिली है और इसमें ऊर्जा है जिसका उपयोग वे जीवित रहने और लंबे स्वस्थ जीवन जीने के लिए करते थे।

टेबल टाक का किया गया आयोजन

इसी दौरान टेबल टाक का भी आयोजन किया गया। जिसमें डा सुनील कुमार कश्यप, डा अनुराधा चौधरी, डा धनजय द्विवेदी, डा संजय कुमार, डा मृणाल पाठक और डा प्रवीण श्रीवास्तव ने भाग लिया। भारतीय भाषा विज्ञान... विषय ने श्रोताओं को आकर्षित किया तथा भाषाओं की वर्तमान स्थिति पर ध्यान आकर्षित किया। यह भी बताया कि हमारी संस्कृति को कैसे बढ़ावा दिया जाए और इसे संरक्षित किया जाए। संस्कृत का महत्व और भाषा की मदद से अपनी जड़ों से कैसे जुड़े रहें।

सीबीएसई ने प्रश्नों

स्टूडेंट्स ने दिखाए टैलेंट

ranchi@inext.co.in

RANCHI (15 April) : बीआइटी मेसरा की ईशान वाटिका में उद्बोधन-23 प्रदर्शनी का आयोजन हुआ. जो जी-20, एआईसीटीई और आईकेएस के सहयोग से किया गया. आयोजन में आईकेएस के मूल्य और एजुकेशन सेल के प्रदर्शनी अध्यक्ष डा संजय कुमार और छात्र मामलों के डीन डा भास्कर कर्ण मौजूद रहे. प्रदर्शनी के दूसरे दिन यानी मुख्य अतिथि के रुप में झारखंड विधानसभा के सदस्य सरयू राय मौजूद रहे. आयोजन स्थल पर कई स्टाल लगे थे जो विभिन्न विचार और जानकारी को प्रदर्शित कर रहे थे. मुख्य रूप से भारतीय ज्ञान प्रणाली और देश की संस्कृति की जड़ों और मूल्य प्रणाली पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे.

एग्जीबिशन की सराहना

प्रदर्शनी के कुछ मंत्रमुग्ध करने वाले स्टाल आर्किटेक्चर और टाउन प्लानिंग, भाषा विज्ञान, साहित्य सत्र, झारखंड राज्य, वर्नाक्यूलर आर्ट फार्म्स, साइंस, इंजीनियरिंग और टेक्नोलाजी, स्वास्थ्य कल्याण और मनोविज्ञान, खगोल विज्ञान, प्राचीन संधियों, ज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित थे. झारखंड के स्टाल का नेतृत्व सौरव कुमार और उनके दल ने किया. जिनके कार्यों ने एक सामान्य घराने के सांस्कृतिक किनारों, इतिहास, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, कला और विधियों को पूरी तरह से प्रदर्शित किया.

बीआईटी मेसरा में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर प्रदर्शनी शुरू

रांची | बीआईटी मेसरा में जी-20, एआईसीटीई और आईकेएस के सहयोग से भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर प्रदर्शनी शुरू हुई। इसमें विभिन्न विचारों और सूचनाओं को प्रदर्शित करनेवाले कई स्टॉल हैं, जो मुख्य रूप से भारतीय ज्ञान और राष्ट्र की सांस्कृतिक प्रणाली पर केंद्रित हैं। इनमें आर्किटेक्चर और टाउन प्लानिंग, भाषा विज्ञान, साहित्य सत्र, झारखंड राज्य, वर्नाक्यूलर आर्ट फॉर्म्स, साइंस, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी आदि पर आधारित प्रदर्शनी लगाई है। वहीं, शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। मौके पर बीआईटी के वीसी प्रो. इंद्रनील मन्ना, छात्र मामलों के डीन डॉ. भास्कर कर्ण, छात्र मामलों के एसोसिएट डीन डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, आईकेएस प्रदर्शनी के समन्वयक डॉ. संजय कुमार आदि उपस्थित थे।

बीआईटी मेसराः भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आयोजित प्रदर्शनी का समापन

रांची | बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आयोजित प्रदर्शनी का समापन हुआ। इसके अंतिम दिन एआईसीटीई की भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रमुख डॉ. अनुराधा चौधरी ने बृहदेश्वर मंदिर सहित समृद्ध भारतीय वास्तुकला पर चर्चा की। जिसमें शीर्ष पर 80 टन का पत्थर रखा गया है, यह 5 भूकंपों से बच गया है, जो पुराने समय की इंजीनियरिंग को दर्शाता है। डॉ. धनंजय द्विवेदी ने वेदों और उपनिषदों के बारे में बताया। मौके पर संस्थान के कुलपति प्रो. इंद्रनील मन्ना, छात्र मामलों के डीन डॉ. भास्कर कर्ण, यूएमवी रामगढ़ के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार कश्यप आदि उपस्थित रहे।

Organizing Committee

Patron	Prof. Indranil Manna The Vice Chancellor
Chairman	Dr. Bhaskar Karn The Dean of Student Affairs
Coordinator	Dr. Sanjay Kumar Chairperson, Value Education Cell
Finance	Dr. Rupesh Kumar Dr. Neeraj Kumar Mr. Vishal H. Shah
Resource & Logistics	Dr. Praveen Srivastava Mr. Gautam Shandilya Dr. Sameer Kumar Mr. Narendra Kumar
Accommodation & Hospitality	Dr. Shashwati Ghosh Dr. Sanjeet Kumar Dr. Yogender Aggarwal Dr. Neelima Sharma Dr. K. K. Pradhan Dr. Narendra Yadav
Media & Documentation	Dr. Kirti Avishek Dr. Neeraj Kumar Dr. Anjana Dwivedi Dr. Neelima Sharma
Video & Photography	Dr. Priyank Saxena Dr. K. Sridhar Patnaik
Invitation & Inauguration	Dr. Anand Pd Sinha Dr Dharmendra Chand Dr. Shailendra Singh Mr. Mrinal Pathak Mr. Gautam Shandilya

Teams

<table>
<tr><th rowspan="2">S. NO.</th><th rowspan="2">Themes</th><th colspan="2">Team Members</th></tr>
<tr><th>Conveners</th><th>Students</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>Ancient Treaties</td><td>Dr. Amit Kumar Tiwari
Dr. Neeraj Kumar
Dr. Shashank Pushkar</td><td></td></tr>
<tr><td>2.</td><td>Wisdom Through the Ages</td><td>Dr. D. M. Pandey
Dr. Anjana Dwivedi-
Dr. Sudhir Saw</td><td>Rajkumar Singh
Anu Anand
Aakansha Singh
Abhishek Pandey
Nishiprakash Tiwari
Rishabh Garg</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>Science Engineering & Technology</td><td>Dr. Dileep Singh
Dr. Manish Pandey
Dr. Sneha Singh
Dr. Rajeev Kumar
Dr. Arun Kadian
Dr. Randhir Singh</td><td>Saubabh Pandey
Rakesh K. Prasad
Pranjal Pandey
Saurav Shandilya
Manisha Singh
Manish Kumar Singh
Madhur Daga,
Shreyas
Nandan Chinmay
Riya Pandey
Sanjay Kumar</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>Various Art Forms</td><td rowspan="2">Mr. Mrinal Pathak
Dr. Rohit Pandey
Dr. S Dhiman</td><td rowspan="2">Deepshikha Mazumdar
Ayush Dutta Mehta
Pratyush Pallav</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>Linguistics</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>Astronomy</td><td>Dr. Priyank Kumar
Dr. Swarup</td><td>Sukriti Basudevan
Jainam Nahar
Mauli Banerjee</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>Architecture & Town Planning</td><td>Mrs. Ritu Agrawal
Mr. Apurv Ashish
Ms. Shama Parveen
Mr. Pavan Kumar</td><td>Aditi
Rupak,
Zenit Agarwalla,
Rohit Kumar,
Swarnim Kiran,
Srinidhi Srinivasan,
Snehal Gupta,
Swarnavo
Chakrabarti, Ayushi
Chakraborty, Aryan
Mankar,
Anushka Maiti,
Anshika Shrivastava,
Rishi Khandelwal</td></tr>
</table>

8.	Health, Wellness & Psychology	Dr. Sameer Kumar Dr. K. K. Pradhan Mr. Gautam Shandilya	Swadesh Kumar Pattanik Satyjit Mohanty, Pradip Jana Nikita Nayak, Mahendran Pratap Swain, Aayush Raj, Gaurav Pandey, Shivakant Singh, Shruti Bhagat, Ankita Preeti Indwar, Shreya Kumari, Komal Shree, Akshat Raj, Saugat Narayan Singh, Amrita Bandyopadyhay
9.	Governance & Public Administration	Mr. Vishal H Shah Dr. Prabjot Kaur Dr Abhishek Naresh	Shivam, Ohm Gupta, Chhavi, Arnav Shaurya
10.	Interactive Sessions	Dr. O. P. Pandey	
11.	Jharkhand	Dr. Anil Mahto Dr. Pratima Ekka	Amit, Sharad, Anurag Alok Kumar Abhishek Soren Rohit Murmu Manu Karan Sen Ayush Dwivedi Saurabh Jha Manish Kumar Kol, Chiranjeev Shashi Shekhar Ravi Kumar

Students in Different Committees

Inaugural	Arnav Roy, Chhavi Rani, Ohm Gupta, Shaurya, Gautam Bhaskar.
Media	Ayush Tripathi, Md. Bashar, Ayush Mishra, Ajitesh, Aditi Sinha, Drishti Lahkar, Ayush Singh.
Photography & Video	Ansh, Akarsh, Shreyam Tanmay, Abhishek Priyanshu, Prashansha, Yash, Piyush, Ayush Raj, Vatsalya, Dinesh
Various	Priyanshu, Sumeet Kumar, Shashank Raj, Kumari Mridula, Saurya Raj, Sudipta Dhali, Utkarsh Anand, Devashish Roy, Aman, Anant Bharti, Aman Kumar, Dikshant Vats, Manas Kumar Singh, Aranya Smrity, Shubhanshu Sneh, Devashish Roy. Sai Ishwaran,

A Few Highlights

- A large number of books on Art, Culture and Philosophy of Ancient India were bought and displayed at various stalls for visitors to view closely and get inspired.
- From the stall of "Wisdom Through Ages" above 400 copies of the pocketbook of Sri Madbhagwad Geeta were distributed to the visitors.
- A good number of posters were prepared with Sanskrit slogans from the scriptures and displayed at various stalls.
- The Theatre Plays and Cultural Programs highlighted our inherited knowledge of the millennia.
- The stall on “Health, Wellness & Psychology” exhibited a variety of works from Ancient India on Healthy Life & Peaceful Mind. It aimed to spread the importance of Yog, Ayurved and the concepts of Panchkosh and Trigun. It also displayed different Spices, Millets, Pickles and Herbs.
- Different aspects of Jharkhand's Culture, Traditional Art, Music, Dance, and Literature were showcased through the ‘Jharkhand’ Stall.
- Exhibition highlighted the importance of integrating Ancient Knowledge with Modern Technology to ensure its Sustainability and Relevance in striking the balance between Peace and Progress.
- Electronic and Print media gave a wide coverage. Sri Saryu Roy, MLA of Government of Jharkhand also visited the exhibition by knowing through the newspaper.

Many Thanks

Let Us Re~visit Ourselves.

Incredible Potential is Waiting to be Unlocked !!!

-----xxx-----